EKAL ABHIYAN
A PEOPLE'S MOVEMENT

अक्टूबर– दिसंबर -2025

॥ एकल ॥

भारत लोक शिक्षा परिषद्

(एकल अभियान से संबंधित)

विश्व का सर्वश्रेष्ठ सामाजिक शिक्षा संगठन

राष्ट्रीय महिला विभाग

एकल विद्यालय
BHARAT LOK SHIKSHA PARISHAD

23 वां संस्करण

एकल की संरचना

एकल अभियान
(केंद्र) (National)

प्रभाग - (Zone) कई राज्य
11 प्रभाग
प्रत्येक प्रभाग में 10-15 हजार गांव

संभाग--- 2-5 भाग
(3-5 हजार गांव)
(State) राज्य

1 भाग--- 3-5 अंचल
(1-2 हजार गांव)(State) राज्य

1 अंचल--- 9-16 संच
(270 -480 गांव) (District-जिला)

1 संच --- 30 गांव
(Cluster) तहसील या ब्लॉक

1 गांव (1 Village)– 1 विद्यालय, 1 आचार्य
20-30 विद्यार्थी, प्रतिदिन 2-3 घंटे

एकल - पंचमुखी शिक्षा

एक गाँव... एकल.....
एक विद्यालय...
एक आचार्य...

शिक्षा

स्वास्थ्य

जागरण

संस्कार

ग्रामोत्थान

एकल अभियान के
प्रभाग

संगठन बलिदान मांगता है...

- माननीय श्याम जी गुप्त

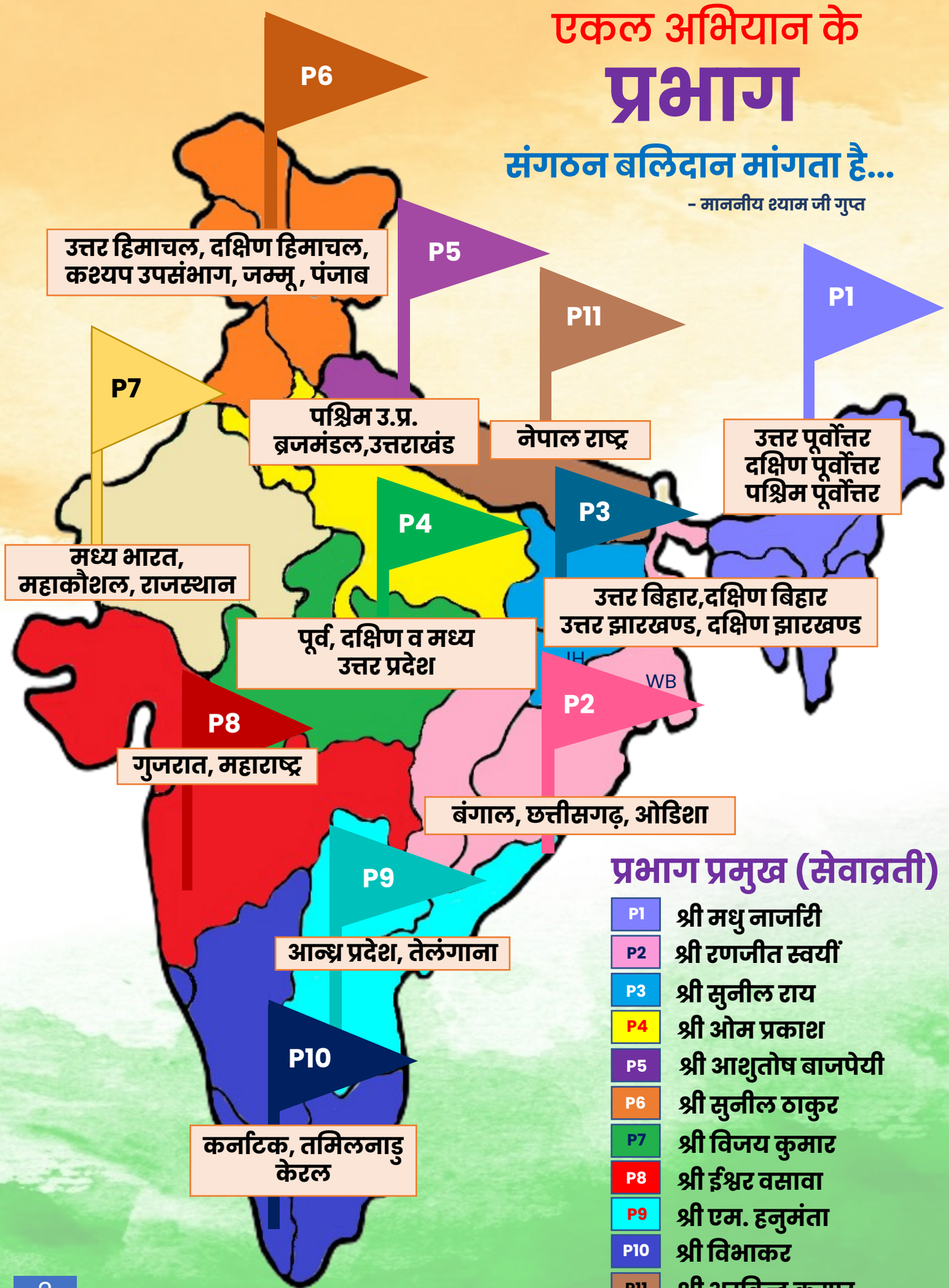

प्रभाग प्रमुख (सेवाव्रती)

P1	श्री मधु नार्जारी
P2	श्री रणजीत स्वयीं
P3	श्री सुनील राय
P4	श्री ओम प्रकाश
P5	श्री आशुतोष बाजपेयी
P6	श्री सुनील ठाकुर
P7	श्री विजय कुमार
P8	श्री ईश्वर वसावा
P9	श्री एम. हनुमंता
P10	श्री विभाकर
P11	श्री अरविन्द कुमार

माननीय श्याम जी गुप्त
प्रणेता – एकल अभियान

एकल के स्तंभ

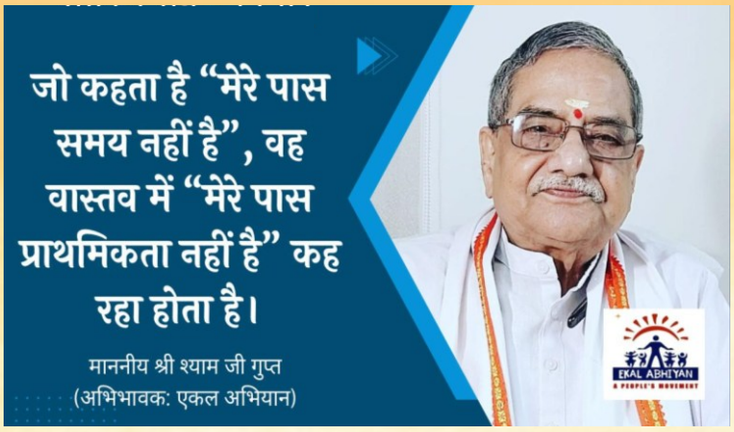

प्रो. मंजू श्रीवास्तव
संगठन प्रभारी, एकल अभियान

"जब एकल शुरू हुआ तब हम बोलते थे कि एकल अभियान का एक उद्देश्य महिला सशक्तिकरण है परंतु वर्तमान समय में अब हम यह कह सकते हैं कि महिलाओं द्वारा एकल का सशक्तिकरण हो रहा है।"

श्री राजेश गोयल
प्रभारी, एकल अभियान

"हमनें जो संगठन बनाए हैं, उनके माध्यम से कठिन समय को पार करके हम ज्यादा सशक्त बनेंगे।"

श्री लक्ष्मी नारायण गोयल
चेयरमैन, ट्रस्ट बोर्ड ,BLSP

"हमें कार्यकर्ता की तरह ही कार्य करना चाहिए इससे जो संतुष्टि हमें मिलेगी वह और कहीं नही मिल सकती।"

माननीय आलोक कुमार जी
मा. सह सरकार्यवाह, आरएसएस
एवं संपर्क अधिकारी, एकल अभियान)

केन्द्रीय ग्राम संगठन बैठक में माननीय आलोक कुमार जी के विचार....

- विद्यालय ही गाँव में **प्रवेश का प्रमुख माध्यम, आधार स्तंभ** और समाज से जुड़ने की **पहली कड़ी** है। **और इसका कोई विकल्प नही है।**
- विद्यालय का संचालन **समयबद्ध, अनुशासित और नियमित** रूप से होना चाहिए।
- जहाँ विद्यालय है, वहाँ **आरोग्य**, **ग्रामोत्थान**, **संस्कार** और **जागरण** संभव होता है।
- **विद्यालयों की गुणवत्ता बढ़ाने** पर विशेष ध्यान देना चाहिए।
- **समिति और सेवाव्रती** आपसी समन्वय से कार्य करेंगे तो समग्र ग्राम विकास होगा।

गाँव का हर बच्चा हो शिक्षित,
हर युवा संस्कारित निर्भिक
यह भाव जगाना है

संगठन संरचना : एकल अभियान ट्रस्ट

एकल अभियान (केंद्र) (National)

नगर संगठन (NS)

1. भारत लोक शिक्षा परिषद् (BLSP)
2. वनबन्धु परिषद् (FTS)
3. एकल विद्यालय फॉउन्डेशन ऑफ इण्डिया (EVFI)
4. एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन (ESVF)
5. आरोग्य फॉउण्डेशन ऑफ इण्डिया (AFI)
6. एकल ग्रामोत्थान फॉउण्डेशन (EGF)
7. एकल ग्राम संगठन (EGS)
8. एकल संस्थान (EKS)
9. एकल ग्लोबल (EG)
10. एकल भारत (EB)

ग्राम संगठन (EGS)

1 गांव (1 Village)

↓

1 संच

↓

1 अंचल- (District-जिला)

↓

1 भाग- (State-राज्य)

↓

संभाग- (State- राज्य)

↓

प्रभाग - (Zone) कई राज्य

कार्यकर्ता के प्रकार

अंशकालिक

आचार्य

हमारे एकल के स्तम्भ

समिति (Volunteer)

स्वेच्छा से तन-मन-धन से समर्पित व्यक्ति को हम-- समिति कहते हैं

- अध्यक्ष
- प्रधान
- महामंत्री (सचिव)
- कोषाध्यक्ष
- संगठन मंत्री
- सदस्य

सेवाव्रती

अपने घरों से निकलकर कम से कम 25 दिन राष्ट्र को समर्पित --- पूर्ण रूप से समर्पण भाव के साथ एकल अभियान में कार्यरत -- सेवाव्रती कार्यकर्ता कहते हैं

- अभियान प्रमुख
- कार्यालय प्रमुख
- गतिविधि प्रमुख
- प्रशिक्षण प्रमुख
- संस्कार प्रमुख
- संवाद प्रमुख
- स्वराज प्रमुख
- महिला प्रमुख

सेवाव्रती कार्यकर्ताओं की पांच प्रकार की श्रेणीयां

- विस्तारक सेवाव्रती - 1 वर्ष से कम सेवा आयु
- प्रारंभिक कार्यकर्ता- एक से 6 वर्ष (संख्या-3466)
- जीवनव्रती- 6 से 12 वर्ष (संख्या-1227)
- ध्येयव्रती - 12 वर्ष से 20
- वरिष्ठ कार्यकर्त्ता – चयनित 20 वर्ष से अधिक सेवा आयु

एकल अभियान

भारत में परिवर्तन के चरण

लक्ष्य -

राष्ट्रप्रेम राष्ट्रनिर्माण

मेरा भारत महान

एकल के पंचप्यारे

माननीय
श्री श्याम जी गुप्त
(प्रणेता – एकल अभियान)

श्री राजेश गोयल
(राष्ट्रीय प्रभारी, एकल अभियान)

श्री ललन शर्मा
(केन्द्रीय अभियान प्रमुख
एकल अभियान)

श्री दीप कुमार
(केन्द्रीय सह अभियान प्रमुख
एकल अभियान)

श्री खेमानंद सापकोटा
(केन्द्रीय सह अभियान प्रमुख,
एकल अभियान)

एकल सरल परिचय

प्राथमिक शिक्षा: – विद्यालय, आचार्य, बच्चों की पढ़ाई
आरोग्यः– योग, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता
ग्राम विकासः – कृषि, स्वरोजगार, वृक्षारोपण
जागरण :– जागरूकता, सरकारी योजनाएँ
संस्कार :– सत्संग, सांस्कृतिक कार्यक्रम
महिला समितिः – महिला सशक्तिकरण, पारिवारिक संपर्क, कार्यक्रम आयोजन
युवा समितिः – युवाओं को जोड़ना, खेल एवं सेवा

प्रगत संच हेतु -------

प्राथमिक शिक्षा के बिंदु

1. सभी **विद्यालय 'अ' अथवा 'ब' श्रेणी** के होने चाहिए।
2. प्रत्येक बालक/बालिका को न्यूनतम एक **देशभक्ति गीत कंठस्थ** करवाना।
3. प्रत्येक बालक/बालिका को **पहाड़ा कंठस्थ** करवाना। (उसके स्तर के अनुरूप)

शिक्षा के लिए कार्यरत संस्थाएं

भारत लोक शिक्षा परिषद् (BLSP)

वनबंधु परिषद् (FTS)

एकल विद्यालय फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया (EVFI)

कार्य विशेष –

- विद्यालय एवं बच्चों की नियमितता।
- विद्यालय की गुणवत्ता
- धन संग्रहण
- चैप्टर्स का निर्माण
- जन जन तक पहुँच
- दानदाता संपर्क (DRW)
- ई- शिक्षा
- अर्थ विभाग
- महिला विभाग
- युवा विभाग
- अभियान कार्यालय
- कार्यरत विभाग
- समिति निर्माण (वालेंटियर)
- वनयात्रा
- प्रवास
- कार्यक्रम
- संक्रांति उपहार

प्रभाव –

- व्यसन मुक्त की ओर अग्रसर - गाँव
- जात-पात, ऊँच-नीच से ऊपर सशक्त समाज का निर्माण
- छात्र द्वारा - योग में महारत
- घर वापसी – बने व्यास कथाकार
- कारावास में कथा : कैदियों के जीवन बदले
- संगठित गाँव : शिक्षा एवं दीवार लेखन की देन
- संस्कारित युवा निर्माण

विशेष – विद्यालय एवं बच्चों की नियमितता।

परिणाम – पूर्णतया साक्षर ग्राम बनाना।

चलो गाँव की ओर हमें फिर देश बनाना है...

प्रगत संच हेतु -------

आरोग्य के बिंदु

1. सभी घरों में **तुलसी पौधा** रोपण
2. आवश्यकता अनुसार प्रत्येक **घर में सोख्ता गड्ढा** ।
3. प्रत्येक घर में **लोहे की कढ़ाई** का उपयोग

आरोग्य फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया

स्वास्थ्य के लिए कार्यरत संस्था

वृक्ष पूजनीय क्यों ?

पंचवटी-भगवान राम के वनवास का आश्रय, साधना व आरोग्य के पाँच पौधे...

1. पीपल-
2. बरगद -
3. बेल-पेट रोगों की महाऔषधि। शिव आराधना का प्रमुख अंग
4. अशोक- शोक हरने वाला, सदैव हरा रहने वाला वृक्ष
5. आंवला-अमृत रसायन, मस्तिष्क, नेत्र एवं चिरयौवन की औषधि ।

पंच पल्लव अपनी जड़ों में जल संग्रहण एवं संधारण करने वाले पौधों का समूह...

1. पीपल
2. बरगद
3. पाकड
4. गूलर-सर्वाधिक जल संधारक एवं पशु-पक्षिओं का आहार।
5. आम-फलों का राजा, खाद्य सुक्षा में महत्वपूर्ण विकल्प।

आरोग्यत्रयी-आरोग्य की दृष्टि से चयनित तीन महत्वपूर्ण पौधे...

1. नीम - त्वचा व रक्त विकार नाशी
2.जामुन - मधुमेह नाशी।
3. सहजन- पोषक तत्वों से भरपूर रक्ताल्पता (Animiya) नाशक

कार्य -

- दादी नानी के नुस्खे
- योग – दैनिक योग
- पर्यावरण दिवस
- स्वास्थ्य जागरूकता

परिणाम - एनीमिया की समस्या का समाधान

सामान्य रोगों से बचाव।

जड़ी बूटी से खुशहाली.... हमें गाँव में लाना है.....
स्वावलम्बी स्वाभिमानी भाव जगाना है .....

प्रगत संच हेतु -------

ग्रामोत्थान के बिंदु

1. प्रत्येक गांव के न्यूनतम 10 घरों में **पोषण वाटिका**
2. हर गांव के न्यूनतम 10 **परिवारों में जैविक खेती**
3. प्रत्येक भाग के एक प्रगत संच के घर-घर में **कुटीर उद्योग**

एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन (EGF)

ग्रामोत्थान के लिए कार्यरत संस्था

CTL
Computer Training Lab

EOW
Ekal On Wheels

GRC
Gramothan Resource Center

Organic Farming

- प्रभाव-
- एकल उत्पाद- हल्दी शहद
- विवेकानन्द यूथ क्लब
- पोषण वाटिका

WEC
Women empowerment Center

- छात्रा की पढ़ाई के साथ साथ कमाई भी
- महिलाएं बनी आत्मनिर्भर - सिलाई प्रशिक्षण से
- कंप्यूटर प्रशिक्षण से युवको में आत्मनिर्भरता
- जैविक खेती, पोषण वाटिका
- बंजर ज़मीन पर सब्जी उत्पादन
- गाँव तक - सरकारी योजना

परिणाम - 1. कुपोषण की समस्या का समाधान
2. पलायन पर रोक

गाँव में होगी जैविक खेती, जमीं के नीचे पानी
अनाज सब्जी, फूल और फल से, सजेगी धरती रानी

प्रगत संच हेतु -------

जागरण के बिंदु

1. प्रत्येक ग्रामवासी का बैंक खाता खुलवाना।
2. प्रत्येक परिवार प्रमुख को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से अवगत करवाना।
3. प्रत्येक ग्रामवासी का आधार कार्ड बनवाना।

एकल ग्राम संगठन (ग्राम स्वराज)

एकल भारत (प्रचार प्रसार)

सरकारी योजनायें गाँव तक पहुँचाना

ग्राम संगठन एकल अभियान के उद्देश्य को पूरा करने के लिए शिक्षा, आरोग्य, ग्राम विकास, जागरण और संस्कार के क्षेत्रों में निरंतर कार्य करता है।

एकल ग्राम संगठन के मुख्य उद्देश्य-

- एकल अभियान को गांव-गांव तक पहुँचाना एवं जन-जन का अभियान बनाना
- एकल कार्य की गुणवत्ता बनाए रखना
- केन्द्रीय कार्यकारिणी (CEC) द्वारा निर्धारित कार्यों को क्षेत्रीय स्तर पर एकल ग्राम संगठन द्वारा सम्पादित किया जाना।

प्रभाव-

- प्रचार-प्रसार
- जागरूकता
- सैनिक सम्मान
- ग्राम वीरांगना
- भारत माता पूजन
- शबरी परिवार योजना

परिणाम – ग्रामवासियों को सरकारी योजनाओं से जागरूक करना।

ग्राम सभ्यता की जय हो, यह भाव जगाना है
राम राज्य की सपने को, साकार दिखाना है।

प्रगत संच हेतु -------

संस्कार के बिंदु

श्री हरि कथा प्रसार योजना :-

1. प्रत्येक ग्राम में **साप्ताहिक सत्संग**
2. प्रत्येक ग्राम में **वर्ष में एक बार कथा**
3. प्रत्येक **ग्राम में रथ आयोजन**।

श्रीहरि सत्संग समिति

संस्कारित राष्ट्र निर्माण हेतु

प्रभाव-

1. व्यसन मुक्त की ओर अग्रसर - गाँव
2. जात-पात, ऊँच-नीच से ऊपर सशक्त समाज का निर्माण
3. छात्र द्वारा - योग में महारत
4. घर वापसी – बने व्यास कथाकार
5. कारावास में कथा : कैदियों के जीवन बदले
6. संगठित गाँव : शिक्षा एवं दीवार लेखन की देन
7. संस्कारित युवा निर्माण

परिणाम -व्यसन मुक्ति, स्वधर्म के प्रति आत्मीयता

ग्राम सभ्यता की जय हो, यह भाव जगाना है
राम राज्य की सपने को, साकार दिखाना है।

एकल संस्थान

रिसर्च का कार्य

एकल संस्थान का मिशन उन विचारों को आगे लाना है, जो भारत में ग्रामीण और आदिवासी विकास के परिदृश्य को बदल सकते हैं।

कार्यप्रणाली – एकल स्टडी सर्किल मीट्स, एकल लर्निंग यात्रा & DIT, डिजिटल लर्निंग (EOW & E-Shiksha), इम्पेक्ट अस्सेस्मेंट, आउटरीच प्रोग्राम आदि

एकल ग्लोबल फाउंडेशन

विश्व में 18 देशों तक पहुँच

कार्यक्षेत्र – वैश्विक स्तर

कार्य – एकल विचारधारा और मॉडल को दुनिया के सभी कोनों में फैलाने के लिए एक संगठन

कार्यप्रणाली – जागरूकता अभियान द्वारा

एकल की पहुँच....एक नजर

- **राज्य – 26**
- **अंचल - 381**
- **संच - 3471**
- **सेवाव्रती कार्यकर्ता – 7618**
- **श्रीहरि रथ मंदिर (संस्कार) – 112**
- **ग्रामोत्थान रिसोर्स सेंटर (GRC)- 13**
- **स्किल डेवलपमेंट सेंटर (SDC) – 13**
- **कम्पूटर और सिलाई सेंटर -145**
- **इंटीग्रेटेड विलेज डेवलपमेंट (IVD) - 50**
- **एकल ऑन व्हील्स (EOW)(कंप्यूटर बस) – 49**
- **आरोग्य रिसोर्स सेंटर - 111**
- **एकल पहुँच (अनुमानित) – 237,60,894**

- **एकल विद्यालय – 89,448**
- **विद्यार्थी – 25,00,000**
  - i. **बालिका -12,00,000**
  - ii. **बालक- 13,00,000**

बच्चे, बूढ़े शिक्षित हो सब, यह संकल्प हमारा है - 2
अपनी संस्कृति देश धर्म और समरसता का नारा है - 2
ऊँच - नीच का भेद मिटा दो, सब है एक समान।
गांव गांव में आ गया, यह एकल अभियान ।।

वनयात्रा की रूपरेखा...

(सामान्यत: -- वनयात्रा एक दिन की होती है)

गाँव की माटी की सुगन्ध ही भारत की संस्कृति है। इसमें वह ताकत है कि बड़े से बड़े विद्वान का हृदय परिवर्तन कर सकती है। भावुक मन के लोगों की तो बात ही दूसरी है। अतः एकल अभियान में आज जो भी नगर संगठन का तंत्र खड़ा है, वह सब वनयात्रा का ही परिणाम है।

वनयात्रा शब्द रामायण से प्रेरित है। भगवान श्री राम अयोध्या जैसी सुख सुविधा संपन्न नगरी को छोड़कर वन में यात्रा करते रहे और वन में रहने वाले वनवासी बंधुओं को न केवल अपने अधिकारों वरन् कर्तव्यों के प्रति जागरूक एवं सचेत बनाते रहे।

वनयात्रा ही क्यों

एकल विद्यालय का लक्ष्य एक समृद्धशाली राष्ट्र का निर्माण करना है।
परंतु गाँवों के सम्पूर्ण विकास के बिना यह असंभव है। एक ओर जहाँ नगर साधन संपन्न होते जा रहे हैं वहीं दूर-देहात के गाँवों में आज भी आधारभूत साधनों की भारी कमी है।

यात्रा का स्वरूप -

1. नगरीय परिवार एक समूह में एकल विद्यालय दर्शन करने जाता है।

2. किंतु रात्रि विश्राम वहीं किसी सरकारी गेस्ट हाउस में यदि हो और रात्रि में ग्रामवासियों के साथ नृत्य का आनंद हो तो वन यात्रा बहुत प्रभावी होती है।

वनयात्रा के प्रकार -

1. छोटी वन यात्रा अर्थात् 4-5 सदस्यों का एक समूह।
2. मँझली वन यात्रा अर्थात् 10-15 सदस्यों का समूह।
3. बड़ी वनयात्रा 25 से अधिक सदस्यों का समूह।
4. युवाओं या बच्चों की अलग से भी वन यात्रा आयोजित की जाती है।

वनयात्रा में कार्यक्रम-

1. विद्यालय दर्शन
2. ग्रामवासियों के साथ चर्चा
3 . सत्संग
4. प्राकृतिक स्थलों का दर्शन
5. आचार्य परिवार सम्मान
6. सेवाव्रती परिवार सम्मान
7. बच्चों की हस्त शिल्प प्रतियोगिता
8. बच्चों की खेल प्रतियोगिता

व्यवस्था हेतु कमेटी की आवश्यकता -

1. एक आयोजन समिति का गठन करें।
2. वाहन की व्यवस्था यात्रियों के द्वारा की जाती है।
3. कार्यक्रमों की व्यवस्था ग्राम समिति के द्वारा की जाती है।
4. मार्ग सुरक्षा के लिए सेवाव्रती उपस्थित रहते हैं।
5. एक सेवाव्रती मार्ग दर्शक के रूप में वाहन में रहते हैं, जो यात्रियों को गीत आदि के द्वारा एकल का परिचय भी देते हैं।

वनयात्रा कैसे व्यवस्थित की जाए -

1. कमेटी स्थान, समय तथा तिथि निश्चित करे।
2. जहाँ की वनयात्रा निश्चित है उस अंचल, संच अथवा ग्राम संगठन से बात करे।
3. वनयात्रियो के लिए ब्रोशर द्वारा विद्यालय संक्षिप्त विवरण दें।
4. यात्रा का Minute to Minute तैयार करें।
5. कोई भी उपहार जैसे चॉकलेट या कोई अन्य वस्तु देना चाहते हैं तो पहले सुनिश्चित करें।
6. वनयात्रा के समय सावधानियों की सूची बनायें।

वनयात्रा से अपेक्षा-

1. चैप्टर के सभी पदाधिकारी अधिक से अधिक लोगों को वनयात्रा के लिए प्रेरित करें।
2. वनयात्रा में युवा वर्ग को जोड़ने का भरसक प्रयास करें।
3. वनयात्रा में अधिक भागीदारी नये वनयात्रियों की होनी आवश्यक है जिससे एकल अभियान को जन आंदोलन में बदला जा सके।
4. यात्रा के अंत में अनुभव कथन
5. प्रत्येक वनयात्री को तन-मन-धन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

वनयात्रा के प्रभाव

वनवास यात्रा ने ही -- श्री राम जी को प्रभु श्रीराम भगवान बनाया।
धर्म और जाति के भेद किये बिना वन में प्रभु श्रीराम ने सभी को गले लगाया इसीलिए रामायण के सभी प्रसंगों में उनके वनवास का वर्णन सबसे अधिक किया जाता है। इसी से प्रेरणा लेते हुए गाँव और नगर को जोड़ने हेतु आयोजित यात्रा का नाम है..... वनयात्रा।

प्रवास एक अध्ययन यात्रा...

(सामान्यत – प्रवास तीन दिन से अधिक होता है)

संघ के जन्मदाता पूजनीय डाक्टर जी ने प्रवास के लिए अपने खून को पानी बना दिया । और वही उदाहरण पूजनीय गुरु जी का भी रहा । छोटी आयु में ही दोनों महापुरुष समाज को सन्देश देकर चले गए ।

किसी भी संगठन की मजबूती की निशानी होती है कि प्रमुख अधिकारी कितना प्रवास करते हैं । प्रवास में समाज के संगठन हेतु नगर समिति, सेवाव्रती कार्यकर्ता और ग्राम समिति से संपर्क एवं रात्रि निवास किया जाता है ।

1. प्रवास के प्रकार-

1. कार्यक्रम - कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रवास ।
2. कार्य प्रवास - कार्य में आने वाली असुविधाओं के समाधान के लिए प्रवास ।
3. कार्यकर्ता प्रवास- कार्यकर्ताओं में उत्साह हेतु प्रवास।

2. प्रवास के उद्देश्य-

1. एकल के परिवार के साथ आत्मीय सम्बंध स्थापित करना ।
2. केंद्रीय निर्णय से परिचित कराना ।
3. कार्यकर्ताओं में उत्साह का भाव जागृत करना ।
4. स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु योग्य मार्गदर्शन देना ।

3. प्रवास के लाभ-

1. प्रवास में यदि कार्यकर्ताओं के परिवारों में ठहरने की व्यवस्था हो सके और उनके परिवार के साथ आत्मीय सम्बंध बन सके तो संगठन को बहुत लाभ होता है ।
2. कार्यक्रम में भाषण के लिए प्रवास, जिसका संगठन को कुछ लाभ होता है ।
3. प्रवास में बैठक संगठन के कर्म काण्ड के समान है ।

4. प्रवास के समय निवास -

1. स्थानीय समिति सदस्य के परिवार में सब से उत्तम ।
2. कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ अनौपचारिक सम्पर्क के लिए उत्तम ।

5. प्रवास में बैठक का उपवास -

सेवाव्रतियों को वर्ष में कम से कम 2 मास बैठक का उपवास करना चाहिए । अर्थात् प्रवास पूरा करेंगे किंतु बैठक बिल्कुल नहीं लेंगे । केवल परिवारों में ही सम्पर्क करेंगे ।

6. प्रवास से अपेक्षा -

1. प्रवास में अधिकारी भाव के स्थान पर पारिवारिक भाव का संदेश जाना चाहिए ।
2. संगठन होता है दोस्ती और मस्ती से ।
3. स्वयं सब काम करने की ब जाय किसी और के साथ काम कराकर संगठन को मजबूत करना ।

7. अध्ययन (सामाजिक प्रभाव)-

1. विद्यालय संचालन
2. संस्कार शिक्षा का संचालन
3. ग्रामोत्थान योजना का संचालन
4. आरोग्य योजना का संचालन
5. ग्राम स्वराज योजना का संचालन
6. ग्राम समिति तथा विशेष समितियों का निर्माण
7. परिवार सम्पर्क

स्वयं सिद्धा एवं उद्यमिता बनें

ग्राम संगठन -

1. समिति गठन एवं सक्रियता
2. आचार्य उपहार सम्मान
(गुरु पूर्णिमा, शिक्षक दिवस, संक्रांति)
3. मां यशोदा पात्र योजना
4. केयरटेकर मां
5. स्नेह संपर्क परिवार (संच)
6. स्नेह संपर्क परिवार मित्र (अंचल)
7. अभिभावक योजना
8. सैनिक सम्मान
9. वनयात्रा /प्रवास
10. सत्संग योजना
11. स्वयं सहायता योजना (गांव)
12. आरोग्य योजना
13. ग्रामोत्थान योजना
14. स्वावलंबन योजना
15. कार्यालय प्रभारी मां (GKV)
16. वात्सल्य संच, पंचमुखी शिक्षा

धरती मां की ममता का चुकाने को कर्ज, एक सिपाही सीमा पर निभा रहा है अपना फर्ज़ !"

कार्यकर्ता विभाग

कर्मनिष्ठ, समर्पण भाव से काम करने वाले कार्यकर्ताओं की संभाल हेतु कार्यकर्ता विभाग बनाया गया है जिसमें निम्न योजनायें सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं-

- **अभिभावक**
- **परिवार संपर्क योजना**
- **कार्यकर्त्ता**
- **परिवार सहायता**
- **केयर टेकर माँ**

A. परिवार सहायता योजना

1. शिक्षा सहायता

- सेवाव्रती कार्यकर्ता के अधिकतम 3 बच्चों हेतु

क्र.	कक्षा	वर्ष में देय अधिकतम धनराशि	
		गैर सरकारी विद्यालय	सरकारी विद्यालय
1	UKG से 5	₹ 6,000	₹ 4,000
2	6 से 8	₹ 8,400	₹ 5,000
3	9 से 8	₹ 12,000	₹ 6,000

श्रीमती बरखा अग्रवाल
कार्यकर्त्ता विभाग प्रभारी

2. चिकित्सा सहायता

- सेवाव्रती परिवार के सदस्य –
  - ❑ सेवाव्रती स्वयं
  - ❑ माता पिता

क्रमांक	सेवा आयु	धनराशि
1	6 से 9 वर्ष	₹ 15,000
2	10 से 12 वर्ष	₹ 25,000
3	12 से 15 वर्ष	₹ 35,000
4	15 से अधिक	₹ 50,000

3. विवाह सम्बन्धी सहायता

- सेवाव्रती कार्यकर्ता के स्वयं एवं 2 बेटियों तथा 2 सगी बहनों की शादी हेतु सहायता

क्रमांक	सेवा आयु	धनराशि
1	6 से 9 वर्ष	₹ 15,000
2	10 से 12 वर्ष	₹ 25,000
3	12 से 20 वर्ष	₹ 35,000
4	20 वर्ष से अधिक	₹ 50,000

4. प्राकृतिक आपदा सम्बन्धी सहायता

- सेवाव्रती परिवार को निम्नलिखित प्राकृतिक आपदा सहायता हेतु :

❑ आग ❑ आंधी ❑ बाढ़ ❑ भूस्खलन ❑ भूकंप

अभियान के प्रमुख स्तम्भों की भूमिका

- **नगर संगठन की भूमिका एवं दायित्व**

(महानगरों में स्थानीय नगरीय समाज को एकल अभियान के साथ मानसिक रूप से जोड़ना)

- **ग्राम संगठन की भूमिका एवं दायित्व**

(ग्रामों में विभिन्न गतिविधियों का प्रत्यक्ष संचालन एवं स्थानीय स्वामित्व की भावना विकसित करना)

- **सेवाव्रती की भूमिका एवं दायित्व**

(पंचमुखी शिक्षा की गुणवता में वृद्धि करते हुए ग्रामीण समाज में एकल की विचारधारा का विस्तार करना)

एकल...प्रशिक्षण वर्ग (Training classes)

समिति

SOC

Samiti Orientation Course
प्रत्येक समिति का प्रशिक्षण

कार्यकर्ता

- केन्द्रीय योजना वर्ग
- प्रभाग योजना वर्ग
- दक्षता-क्षमता विकास वर्ग
- अलग-अलग विभागों के वर्ग
- कार्यकर्ता चयन वर्ग
- महिला वर्ग

आचार्य

- कार्यकर्ता चयन वर्ग
- नवीन आचार्य वर्ग (10 दिवसीय)
- आचार्य वार्षिक वर्ग (5 दिवसीय)

हम भारत मां की संताने, वह तो सबकी माता हैं - 2
आज देख व्यवहार हमारा, आँख में जल भर आता है
हम मां के आंसू पोछेंगे 2, बने सुखी ये जहां।

हमारा ध्येय एवं संकल्प

1. हमारा ध्येय

1. हम सब भारत माँ की संतान हैं।
2. आज माँ की आँखों में आँसू हैं।
3. हम माँ के आँसू पोछेंगे।
4. हम धरती की ताकत जगाएँगे।

2. हमारी योजना

1. **देश के चार लाख छोटे-छोटे गाँवों को अपना कार्यक्षेत्र बनाएँगे।**
2. इनमें रहनेवाला 40 करोड़ का समाज ही धरती की ताकत है।
3. हम 'पंचमुखी योजना' से इनको मजबूत बनाएँगे।
4. **हम रसायन-मुक्त धरती व व्यसन मुक्त गाँव बनाएँगे।**
5. हम एकल को जन-जन का अभियान बनाएँगे।

3. परिवर्तन के चरण

1. **हम सेवा से संपर्क करेंगे।**
2. हम संपर्क से संगठन करेंगे।
3. **हम संगठन से समाज को सशक्त बनाएँगे।**
4. हम गाँव के स्वावलंबन से समाज का स्वाभिमान जगाएँगे।
5. हम ग्राम के स्वाभिमान से देश को समर्थ बनाएँगे।

4. हमारा संकल्प

1. हम अपने गाँव को 'आदर्श ग्राम' बनाएँगे।
2. हम अपनी पंचायत को 'अपने सपने का भारत' बनाएँगे।
3. हम गाँव में दैनिक सत्संग चलाएँगे।
4. हम गाँव में समरसता लाएँगे।
5. 'हम देश के, देश हमारा' यह भाव जगाएँगे।

5. हमारा स्वप्न

1. हम स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत बनाएँगे।
2. हम महात्मा गाँधी के चिंतन का ग्राम स्वराज लाएँगे।
3. हम डॉ. अं बेडकर की कल्पना को सम्मान दिलाएँगे।
4. हम डॉ. हेडगेवार के विचार का वैभवशाली राष्ट्र बनाएँगे।
5. हम रामजी की सेना बनकर देश में रामराज्य लाएँगे।

वीर बाल दिवस का इतिहास

भारत में हर साल 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है । यह दिन सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों- जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान को याद करने के लिए समर्पित है। गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों ने बहुत कम उम्र में धर्म, सच्चाई और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे, उनका साहस आज भी देश को प्रेरणा देता है। आइए जानते हैं इस दिन का इतिहास-

गुरु गोबिंद सिंह जी सिख धर्म के महान गुरु थे । उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की और अन्याय के खिलाफ खड़े होने का संदेश दिया । उनके चार पुत्र थे- साहिबजादा अजित सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह ।

सन् 1705 के आसपास पंजाब में मुगल शासकों का अत्याचार बढ़ गया था। मुगल सेना गुरु गोबिंद सिंह जी को पकड़ना चाहती थी । इस कारण गुरु जी को अपने परिवार से अलग होना पड़ा । उनके दो बड़े पुत्र, साहिबजादा अजित सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह, मुगल सेना से युद्ध करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए । उस समय उनकी उम्र बहुत कम थी, लेकिन उनका साहस अद्भुत था ।

गुरु गोबिंद सिंह जी की माता, माता गुजरी अपने दो छोटे पोतों, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह के साथ छिपकर रह रही थीं । दुर्भाग्य से, वे मुगलों के हाथों पकड़ लिए गए। मुगल शासकों ने दोनों छोटे साहिबजादों पर धर्म परिवर्तन का दबाव डाला, लेकिन उन्होंने सिख धर्म छोड़ने से इनकार कर दिया । इसके बाद उन्हें दीवार में जिंदा चिनवा दिया गया । यह घटना भारतीय इतिहास की सबसे हृदयविदारक घटनाओं में से एक है । अपने पोतों की शहादत का समाचार सुनकर माता गुजरी जी ने भी अपने प्राण त्याग दिए ।

वीर बाल दिवस की शुरुआत-

भारत सरकार ने वर्ष 2022 में यह घोषणा की कि हर साल 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा । इसका उद्देश्य देश के बच्चों और युवाओं को साहिबजादों के बलिदान से परिचित कराना है । इस दिन स्कूलों, कॉलेजों और धार्मिक संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते है ।

वीर बाल दिवस का महत्व-

वीर बाल दिवस हमें यह सिखाता है कि साहस उम्र का मोहताज नहीं होता । गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने यह दिखा दिया कि सच्चाई और आत्मसम्मान के लिए खड़े होना सबसे बड़ा धर्म है । यह दिन केवल सिख समाज के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा का प्रतीक है । यह बच्चों को ईमानदारी, निडरता और बलिदान का महत्व समझाता है ।

एकल प्रभाव

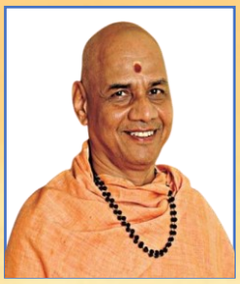

"जो सेवा एकल के माध्यम से आज की जा रही है वह मुझे सर्वोपरि महत्वपूर्ण लगती है। मैं आपसे इतना ही कहना चाहता हूं कि अन्य कोई कार्यभार मेरे पीछे नहीं होता तो मैं सारा का सारा समय इसी एक काम के लिए दे देता।"

परम पूज्य स्वामी गोविंददेव गिरी जी महाराज
कोषाध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास, अयोध्या

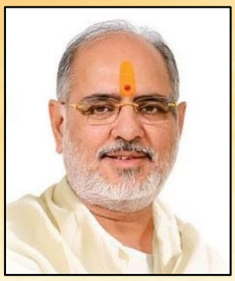

"मुझे चंदन का टीका लगाने के भाव से मेरे ललाट में चंदन बाद में लगा, तेरी अंगुली में पहले लगा, उस चन्दन की शीतलता का अनुभव मुझे बाद में हुआ तुझे पहले हुआ, परहित की भावना जिस वक्त तुम्हारें मन में उठी उसी वक्त तुम्हारा अपना तो हित हो ही गया।"

पूज्य भाई श्री रमेश भाई ओझा जी
विश्व प्रसिद्द कथा वाचक

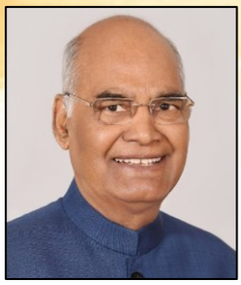

"आदिवासी समुदायों के बहुआयामी विकास के लिए जो प्रयास एकल द्वारा किये जा रहे हैं उनके प्रभावी परिणाम गाँधी जी की ग्राम विकास की अवधारणा को पुष्ट करती है।"

श्री रामनाथ कोविंद जी
भारत के 14वें राष्ट्रपति

" देश के सबसे मुश्किल क्षेत्रों में, वनवासी इलाकों में, कभी-कभी तो लगता है कि जहां सरकारें भी नहीं पहुंच पाईं वहां एकल अभियान जैसे प्रयासों ने समाज को शिक्षित और सक्षम बनाने का बीड़ा उठाया है।"

श्री नरेंद्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत

"एकल अभियान एक लाख की संख्या को पार करते हुए सेवा के क्षेत्र में, शिक्षा के प्रचार प्रसार में नि:स्वार्थ भाव से संलग्न होकर कार्य कर रहा है।"

श्री योगी आदित्यनाथ जी
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

एकल समाचार

मैक्सफोर्ट स्कूल, दिल्ली के बच्चों का एकल विद्यालय (एकल भवन) में 'सोशल इम्पैक्ट स्टडी'

दिनांक 20 अक्तूबर, 2025 को मैक्सफोर्ट स्कूल, दिल्ली के विद्यार्थियों ने एकल विद्यालय (एकल भवन) का "सोशल इम्पैक्ट स्टडी" किया। इस अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा पहुँचाने के एकल अभियान के प्रयासों को निकट से समझा।

बच्चों को एकल की पंचमुखी शिक्षा, कार्यपद्धति, हमारे सनातन मूल्यों की गौरवपूर्ण परंपरा तथा राष्ट्र निर्माण में एकल के योगदान के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

BLSP कानपुर चैप्टर द्वारा वनयात्रा एवं सिलाई सेंटर का उद्घाटन

कानपुर चैप्टर द्वारा 12 नवंबर 2025 को संच–शिवली के विद्यालय, ग्राम–प्रसाद पुरवा में वनयात्रा संपन्न हुई।
बच्चों ने एकल गीत, पहाड़ा, बालगीत, भोजन मंत्र, सवाल-जवाब, जोड़ना व गुणा सहित अनेक गतिविधियाँ प्रस्तुत कर सभी को प्रभावित किया। वनयात्रा के दौरान सभी सदस्यों ने एकल पोषण वाटिका का निरीक्षण किया तथा **विद्यालय ग्राम–सुजजा निवादा में दो सिलाई मशीन उपलब्ध कराकर सिलाई केंद्र का शुभारंभ किया,** यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उत्तरी दिल्ली चैप्टर, महिला विभाग द्वारा एकल सखी मिलन एवं मकर संक्रांति उत्सव

उत्तरी दिल्ली चैप्टर, महिला विभाग द्वारा 29 दिसंबर 2025 को एकल सखी मिलन श्रीमती बिंदु मित्तल जी के निवास स्थान पर आयोजित किया गया। लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के अवसर पर संपन्न इस कार्यक्रम में सभी बहनों ने उत्साह, सौहार्द एवं भावनात्मक जुड़ाव के साथ भाग लिया।
उत्तरी दिल्ली चैप्टर प्रधान श्रीमती साधना गुप्ता जी ने बताया कि यह एक पर्व ही नहीं बल्कि दान और पुण्य का समय है इस समय किया गया दान 10 गुना होकर प्राप्त होता है।

एकल अभियान नूंह - अंचल का प्रवास

नूंह अंचल में दिल्ली से कार्यकर्ता विभाग की प्रभारी व BLSP राष्ट्रीय महिला विभाग की राष्ट्रीय उपप्रधान माधुरी अग्रवाल जी ने प्रवास किया, इस दौरान एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन द्वारा संचालित सिलाई प्रशिक्षण व खरखड़ी में चल रहे मंदिर निर्माण कार्य को देखा, अंचल अध्यक्ष मनीता गर्ग व गांव के लोगों ने भव्यता से स्वागत किया।
इस अवसर पर उनके साथ एकल विद्यालय दिल्ली के आचार्य मुरली, नूंह एकल अभियान जिला के जिला संगठन मंत्री जल सिंह, अंचल उपाध्यक्ष संतोष व गांव के कई लोग उपस्थित रहे।

BLSP पश्चिमी दिल्ली महिला विभाग द्वारा पिकनिक कार्यक्रम का सफल आयोजन

BLSP पश्चिमी दिल्ली चैप्टर, महिला विभाग द्वारा रविवार, 28 दिसंबर 2025 को नत्था सिंह वाटिका, नई दिल्ली में पिकनिक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

आयोजन का उद्देश्य सामाजिक समरसता को सशक्त करना, पारिवारिक सहभागिता बढ़ाना तथा आपसी सौहार्द को प्रोत्साहित करना रहा।

पिकनिक कार्यक्रम के दौरान किड्स ज़ोन, फन ज़ोन एवं गेम ज़ोन विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को और अधिक सफल एवं प्रेरणादायक बनाया। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास एवं स्मरणीय पलों के साथ हुआ।

CSR 2025 : शिक्षा से राष्ट्र निर्माण कार्यक्रम का भव्य आयोजन

CSR विभाग, "भारत लोक शिक्षा परिषद" द्वारा 11 नवंबर 2025 को भारत मंडपम में आयोजित "EKAL BLSP – CSR 2025: शिक्षा से राष्ट्र निर्माण" कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें 550 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था—**CSR के माध्यम से ग्रामीण व जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, संस्कार, स्वावलंबन और सामाजिक परिवर्तन को गति देने के लिए अधिकाधिक सहयोग जुटाना**, तथा यह प्रदर्शित करना कि 'एकल अभियान' किस प्रकार शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार बनाकर करोड़ों जीवनों में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है।

युवा विभाग - एकल रन 4.0

एकल युवा BLSP द्वारा दिल्ली में 21 दिसंबर 2025 को एकल रन 4.0 का सफल आयोजन हुआ। जिसमें लगभग 3 हजार प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस आयोजन के माध्यम से एकल अभियान के उद्देश्यों और विचारों का व्यापक एवं प्रभावी प्रचार-प्रसार हुआ।

इसमें **10 किलोमीटर, 5 किलोमीटर एवं 1 किलोमीटर** की श्रेणियाँ रखी गई थीं, सभी वर्गों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया तथा भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

ब्यूटीशियन सेंटर उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न

23 दिसंबर 2025 को संच-शिवली अंतर्गत ग्राम-देवीपुर, कानपुर, उत्तर प्रदेश में ब्यूटीशियन सेंटर का उद्घाटन संपन्न हुआ। जिसमें गाँव की 20 महिलाएँ ब्यूटीशियन कोर्स सीखने हेतु उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता संच प्रमुख श्रीमती नीता दत्ता जी ने की। मुख्य अतिथि श्रीमती सुभाषिनी जी ने सभी प्रशिक्षार्थियों को आशीर्वचन प्रदान किया। कानपुर चैप्टर महिला विभाग अध्यक्षा डॉ. अनुराधा वार्ष्णेय जी ने प्रशिक्षण की समय-सारणी, नवीन कार्य-पद्धतियों एवं प्रमाण-पत्र की जानकारी दी।

वार्षिक प्रति माह कैलेंडर

माह	त्यौहार	मासिक गतिविधि
अप्रैल -	**बैसाखी, रामनवमी**	विद्यार्थी नामांकन, फोटोग्राफ्स, 24 अप्रैल पंचायती राज दिवस, शिक्षण सामग्री वितरण, श्रीराम महोत्सव, योजना वर्ग, कार्यालय और गतिविधि विभाग कार्यशाला
मई -	**बुद्ध पूर्णिमा**	STL/TCL (Student Letter/ Teacher Letter) प्रशिक्षण टोली द्वारा प्रभाग स्तर पर नैपुण्य योजना और कार्यालय कार्यशाला
जून -	**21 जून विश्व योगा दिवस**	5 जून विश्व पर्यावरण दिवस, नदी पूजन, गंगा दशहरा।
जुलाई -	**गुरूपूर्णिमा**	दक्षता वर्ग, पौधारोपण, आचार्य सेवाव्रती परीक्षा (भाषा, गणित, सामान्य ज्ञान)
अगस्त -	**स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी, रक्षाबंधन**	फील्ड द्वारा बीडीपी प्रपोजल बनाया जाता है।
सितंबर -	**दुर्गा अष्ठमी**	शिक्षण सामग्री सर्वे डीपीएस के लिए, बीडीपी फाइनल रिलीज, पीआरपी फाइनल, अर्धवार्षिक परीक्षा, उपसंच क्रीडा प्रतियोगिता।
अक्टूबर-	**दशहरा, दिपावली,**	एसपीआर-1, संच सम्मेलन, संच प्रतियोगिता ग्राम स्वराज संकल्प दिवस (2 अक्टूबर)
नवंबर -	**गुरू नानक जयंती**	चैप्टर को टीएम डिमांड लिस्ट भेजना, 14 नवंबर बाल दिवस, छात्र सम्मेलन।
दिसंबर -	**गुर गोविन्द सिंह जयंती**	पीआरपी चार्ट का ड्राफ्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू।
जनवरी -	**मकर संक्रांति, लोहड़ी, गणतन्त्र दिवस**	ग्राम सर्वेक्षण, 12 जनवरी युवा दिवस और दीवार लेखन।
फरवरी -	**बसंत पंचमी**	वार्षिक उत्सव, सरस्वती पूजा, फील्ड द्वारा बीडीपी प्रपोजल तैयार करना।
मार्च -	**होली**	पीआरपी रिलीज, बीडीपी फाइनल, वीडीओ फाइनेंस, एसएससी, वार्षिक परीक्षा(संच परिवर्तन) अंचल वार्षिक कार्यक्रम (चयनित आचार्य और सेवाव्रती का सम्मानित)

नोट- अंचल स्तर पर विचार संगोष्ठी एवं वनयात्रा कार्यक्रम प्रत्येक माह आयोजित किया जाता है।

सेवाव्रती कार्यकर्ता सम्मान (संक्रांति उपहार)

भारत लोक शिक्षा परिषद् राष्ट्रीय महिला विभाग द्वारा एवं चैप्टर की बहनों के सहयोग से शिक्षित, स्वस्थ एवं समर्थ भारत के निर्माण के लिए समर्पित भाव से सेवारत एकल के कार्यकर्त्ता बंधुओं एवं बहनों को प्रोत्साहित करने एवं उनके सम्मान के लिए प्रत्येक वर्ष मकर संक्रांति के पावन अवसर पर उपहार देकर सम्मानित किया जाता है ।

एकल के सेवाव्रती कार्यकर्ता संगठन की वो नीव हैं जिनके कन्धों पर संगठन के मूल उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर लागू कर, अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है । राष्ट्र के लिए समर्पित इन कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने हेतु बहनों द्वारा इस तरह के छोटे छोटे प्रयास नियमित रूप से किये जाते हैं ।

आचार्य उपहार योजना

समर्पित भाव से सेवारत, महिला विभाग की प्रेरणा स्रोत आदरणीया मंजू दीदी के नेतृत्व में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष सभी एकल आचार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए उनको उपहार भेंट किया जाएगा, जिससे उनका मनोबल बढ़ेगा साथ ही नगर संगठन और ग्राम संगठन के मध्य आपसी प्रेम भी बढ़ेगा ।

उपहार योजना से क्या पाया –

- आचार्या बहनों ने समाज के बीच सम्मान पाकर गौरान्वित महसूस किया ।
- अपनापन देखकर आचार्यों के परिवार जनों में भी उत्साह देखने को मिला ।
- समिति के लोग अपने परिवारों के संग कार्यक्रम में शामिल हुए ।
- नगर संगठन व ग्राम संगठन में आपसी आत्मीयता बढ़ी ।

एकल गीत

एकल है पहचान हमारी

एकल है पहचान हमारी, एक हमारा नारा है।
हम संतानें भारत माँ की, भारतवर्ष हमारा है।।
2 एकल है पहचान हमारी.....2

शिक्षा का दीपक लेकर हम, गाँव-गाँव में जाएँगे,
भारत की पावन भूमि को, फिर से स्वर्ग बनाएँगे।
गाँव का हर बच्चा हो शिक्षित, यह संकल्प हमारा है।
हम संतानें भारत माँ की, भारतवर्ष हमारा है।।
एकल है पहचान हमारी.....2

स्वच्छ बनेगा देश हमारा, है आरोग्य का आह्वान,
स्वस्थ रहेंगे बच्चे-बूढ़े, तभी देश का हो उत्थान।
बलशाली हो युवा शक्तियाँ, एकल यही पुकारा है।
हम संतानें भारत माँ की, भारतवर्ष हमारा है।।2
एकल है पहचान हमारी.....2

जैविक खेती करके हमने, देश को सुखी बनाना है,
मीठे ताजे फल सब्जी से, सबको पुष्ट बनाना है।
गौमाता की रक्षा होगी, यह आह्वान हमारा है।
हम संतानें भारत माँ की, भारतवर्ष हमारा है।।2
एकल है पहचान हमारी.....2

गाँव का सम्मान करें सब, ग्राम स्वराज को लाना है,
ग्रामवासी और नगरवासी में, प्रेम का सेतु बनाना है।
स्वाभिमान से सभी खड़े हों, यह अभियान हमारा है।
हम संतानें भारत माँ की, भारतवर्ष हमारा है।।2
एकल है पहचान हमारी.....2

संस्कारों की शिक्षा को हम, जन-जन तक पहुँचाएँगे,
समरसता का भाव जगाकर, रामराज को लाएँगे।
भारत जग-सिरमोर बनेगा, यह हम सब ने ठाना है।
हम संतानें भारत माँ की, भारतवर्ष हमारा है।।2
एकल है पहचान हमारी.....2

सक्सेस स्टोरी

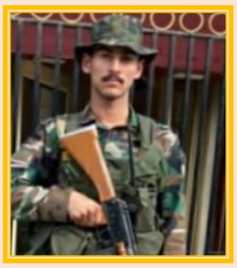

नाम -मनीष
अंचल- मंडी
संच- पंडोह
विद्यालय ग्राम- मैहनी

आज मैं एकल विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर भारतीय सेना में **पैराट्रूपर (5 पैरा एसएफ)** के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहा हूँ। यह समस्त प्रेरणा मुझे एकल विद्यालय से प्राप्त हुई है। मैं अपनी आचार्य दीदी का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने मुझे इस योग्य बनाया।

नाम -गीतांजली
अचल- मंडी
संच- पुरानी मण्डी
विद्यालय ग्राम- रोपड़ी गाड़

मैं एकल विद्यालय से पढ़ाई करके **Atal Medical Research University में Bsc. नर्सिंग कर रही हूँ,** और यह सब प्रेरणा मुझे एकल विद्यालय से मिली, मैं धन्यवाद करती हूं अपनी आचार्य दीदी का जिन्होंने मुझे इस काबिल बनाया।

नाम -ललिता आर्या
अंचल-अल्मोड़ा
संच-कोसानी
विद्यालय ग्राम- दुदीला

एकल में सेवा और अध्ययन के साथ आगे बढ़ते हुए आज मैं विकास खंड नगवा में **आंगनबाड़ी पद पर कार्यरत** हूँ—इस सफलता के लिए एकल परिवार के सहयोग व शुभकामनाओं के प्रति हृदय से आभार।
मैं एकल अभियान का हृदय से धन्यवाद करती हूँ

नाम - विशाल
अंचल- मंडी
संच- कोटली
विद्यालय ग्राम- सैण

मैंने एकल विद्यालय में 4 वर्ष पढाई की और मुझे एकल विद्यालय में जाना बहुत अच्छा लगता था | मैं बड़ा होकर **डॉक्टर बनना चाहता हूं** और देश की सेवा करना चाहता हूं इसका श्रेया में एकल विद्यालय को देता हूं कि मुझे वहां इतनी अच्छी शिक्षा प्रदान एवं संस्कार मिले|

नाम -शशिकला गौतम
अंचल-सारनाथ
संच-मुर्दहा बाजार
विद्यालय ग्राम-
पश्चिमपुर अहरक

मुझे वर्ष 2019 में आचार्या के पद पर कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ |
एकल में सेवा करने के साथ-साथ पढ़ाई भी करती रही | वर्तमान समय में **प्रयाग मे कृषि विभाग में सरकारी नौकरी** कर रही हूं |
मैं एकल परिवार को हृदय से धन्यवाद करती हूं| मेरी सफलता एकल परिवार का साथ एवं उनकी शुभकामनाओं का परिणाम है |

नाम –ज्योति गोस्वामी
अंचल-चंपावत
संच-पाटी
विद्यालय ग्राम-
न्यूकालोनी

आचार्य के दायित्व का निर्वहन करते हुए मैंने अपनी पढ़ाई भी निरंतर जारी रखी। इसी अवधि में मुझे सफलता प्राप्त हुई और वर्तमान में मैं उत्तराखंड **होमगार्ड कॉस्टेबल** के पद पर अपनी जिम्मेदारी निभा रही हूँ।
मैं एकल अभियान का हृदय से धन्यवाद करती हूँ और यह संकल्प लेती हूँ कि मैं सदैव एकल अभियान के साथ जुड़ी रहूँगी।

संपादक की कलम से.....

माधुरी अग्रवाल
राष्ट्रीय उपप्रधान,
राष्ट्रीय महिला विभाग
BLSP

आज...

एकल सन्देश महिला विभाग द्वारा आपके समक्ष एकल अभियान की संगठनात्मक संरचना की यह एक प्रस्तुति...

इस संगठन की नींव कभी आसान रास्तों पर नहीं रखी गई । कठिन राष्ट्रहित के मार्गों को पार करते हुए, छोटी-छोटी पगडंडियों से यात्रा प्रारंभ कर, आज यह संगठन एक वटवृक्ष के समान विराट रूप ले चुका है ।

एकल आज देश का ऐसा विशाल संगठन है, जिसके साथ मातृशक्ति और युवाशक्ति कंधे से कंधा मिलाकर पूर्ण समर्पण भाव से जुड़ी हुई हैं। यह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक विचार है—सेवा, संस्कार और समर्पण का विचार ।

इस महायज्ञ में संलग्न सेवा-व्रती कार्यकर्ताओं के त्याग, तप और निष्ठा को किसी भी रूप में नकारा नहीं जा सकता।

आईये हम सभी मिलकर श्रीराम जी की सेना बनकर, राम जी का कार्य करें....

एकल विद्यालय के लिए सहयोग

आईये अपने सपनों का भारत बनायें और स्वावलंबी, स्वाभिमानी भारत के नागरिक होने का गौरव प्राप्त करें।	
एक एकल विद्यालय	₹ 30,000/- वार्षिक
50 एकल विद्यालय (परमवीर)	₹ 15,00,000/- वार्षिक
100 एकल विद्यालय (शतकवीर)	₹ 30,00,000/- वार्षिक
1000 एकल विद्यालय (महाशतकवीर)	₹ 30,000,000/- वार्षिक
भारत लोक शिक्षा परिषद् भारत सरकार के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (IICA) के अंतर्गत CSR दान के लिए सूचीबद्ध है ।	

DONATE NOW

एकल विद्यालय में सीधे दान हेतु सम्पर्क करें-

Only For 80G:
Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C No: 467902050000186
Union Bank of India
Shalimar Bagh, Delhi
IFSC Code: UBIN0546798

Only for CSR:
Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C NO. 467902010123677
Union Bank Of India
Shalimar Bagh, Delhi
IFSC code: UBIN0546798

For More Info.

प्रकाशक :
भारत लोक शिक्षा परिषद्
सेन्ट्रल ऑफिस : NS-15, FD Block, पीतमपुरा, दिल्ली- 110034
संपर्क सूत्र : 011 4752 3879, 9999399063, 8448386443, 7827208127
ई मेल : administration@blspindia.org, वेबसाइट : www.ekalblspindia.org

एकल विद्यालय
Bharat Lok Shiksha Parishad